परिशिष्ट-1

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत

एम.ए. हिन्दी एक्स्टर्नल

भाग- I

(2022-2023, 2023-2024 एवम् 2024-2025 के शैक्षिक वर्षों के लिए)

प्रश्नपत्र - 1 प्राचीन एवम् मध्यकालीन काव्य Core Course-01 (Total Marks –100)

पाठ्य-पुस्तकें : 1. विद्यापति पदावली - संपा.डॉ. सुरेन्द्र दीक्षित (प्रकाशक-जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
2. जायसी-ग्रंथावली -संपा. आचार्य रामचंद्र शुक्ल (नागरी प्रयारिणी सभा, वाराणसी)
3. उत्तरकाण्ड : (रामचरितमानस) - तुलसीदास
4. घनानंद कवित्त : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (संजय बुक सेन्टर, वाराणसी)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र :

इकाई-1. विद्यापति पदावली : (17 से 50 क्रमांक पदावलियाँ)
विद्यापति पदावली में यौवन –उद्गम का चित्रण।
विद्यापति पदावली में वर्णित सौन्दर्य चित्रण, विद्यापति काव्य का कलात्मक पक्ष।
विद्यापति पदावली में प्रेमानुभूति,
विद्यापति पदावली में श्रृंगार चित्रण |

इकाई-2. जायसी- पद्मावत :
'पद्मावत' में इतिहास और कल्पना, 'पद्मावत' में प्रबंधात्मकता, प्रेमाभिव्यंजना, रहस्यवाद, अन्योक्ति अथवा समासोक्ति और दार्शनिकता , 'पद्मावत' में विरह-वर्णन, 'पद्मावत' में प्रकृति-चित्रण, 'पद्मावत' काव्य-सौष्ठव। |

इकाई-3. उत्तरकाण्ड :
'उत्तरकाण्ड' का काव्य-स्वरूप, 'उत्तरकाण्ड' का वस्तु-विधान, 'उत्तरकाण्ड' के प्रमुख पात्र, 'उत्तरकाण्ड' : रामकथा का उपसंहार, 'उत्तरकाण्ड' का भाव और कला-पक्ष।

इकाई-4. घनानंद कवित्त : (१ से ५० कवित्त)
'प्रेम की पीर' के कवि घनानंद, घनानंद की भक्ति-भावना, घनानंद के काव्य की विशेषताएँ।

इकाई-5. भक्तिकालः हिन्दी साहित्य का सुवर्ण युग,
हिन्दी सूफी काव्य परंपरा, हिन्दी सूफी काव्य परंपरा में जायसी का स्थान।
भक्तिकालः सगुण भक्ति-धारा और तुलसीदास।
रामभक्ति-धाराः उद्भव और विकास।
रीतिकालीन स्वच्छन्द काव्यधारा में घनानंद का स्थान।

अंक-विभाजनः
इकाई 1 से 4 से एक एक आलोचनात्मक प्रश्न (20×4=80 अंक)
इकाई 5 से दो टिप्पणी के प्रश्न (10 x 2 = 20 अंक)

सहायक ग्रंथ :

१. हिन्दी साहित्य का आदिकाल-डॉ.हजारीप्रसाद द्विवेदी
२. भारतीय प्रेमाख्यान काव्य-डॉ. हरिकांत श्रीवास्तव
३. जायसी-एक नई दृष्टि-डॉ.रघुवंश (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
४. हिन्दी के प्राचीन कवि-डॉ.द्वारिकाप्रसाद सक्सेना (विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)
५. महाकवि जायसी और उनका काव्य-डॉ.इकबाल अहमद

Date: 06/05/2022

६. पद्मावत का अनुशीलन-इन्द्रचन्द्र नारंग (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
७. जायसी ग्रंथावली-संपा.आचार्य रामचंद्र शुक्ल (नागरी प्रचारिणी सभा, काशी)
८. हिन्दी साहित्य का इतिहास-आचार्य रामचंद्र शुक्ल (नागरी प्रचारिणी सभा, काशी)
९. विद्यापति पदावली-रामवृक्ष बेनीपुरी (राजकमल पकाशन, नई दिल्ली)
१०. विद्यापति-जनार्दन मिश्र(रामनारायण लाल, इलाहाबाद)
११. तुलसी-संपा. उदयभानु सिह
१२. तुलसी की साधना-आचार्य विश्वनाथप्रसाद मिश्र
१३. गोस्वामी तुलसीदास- आचार्य रामचंद्र शुक्ल
१४. तुलसीदास-नंदकिशोर नवल (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि. दिल्ली)
१५. तुलसीदास-संपा.डॉ.विश्वनाथ तिवारी (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
१६. घनानंद और स्वच्छंद काव्य-धारा-डॉ.मनोहर गौड
१७. घनानंद का काव्य-डॉ.रामदेव शुक्ल (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
१८. घनानंद का काव्य-शिल्प- डॉ.लखनपाल सिंह

****

प्रश्नपत्र -2. भारतीय काव्यशास्त्र एवम् पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा साहित्यालोचन

Core Course-02 (Total Marks –100)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1. रस-सिद्धांत -रस का स्वरूप, रस-निष्पत्ति, रस के अंग, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा।
अलंकार –सिद्धांत की मूल स्थापनाएँ, अलंकारों का वर्गीकरण।
रीति-सिद्धांत- रीति की अवधारणा, काव्य-गुण, रीति एवम् शैली,
रीति-सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ।
वक्रोक्ति -सिद्धांत -वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवम् अभिव्यंजनावाद।

इकाई-2. ध्वनि -सिद्धांत -ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि-सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ,
ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद,गुणीभूत व्यंग्य, चित्र काव्य।
औचित्य -काव्य -प्रमुख स्थापनाएँ, औचित्य के भेद।
हिन्दी कवि -आचार्यों का काव्य-शास्त्रीय चिंतन -लक्षण-काव्य-परंपरा एवम् कवि-शिक्षा।

इकाई-3 प्लेटो - काव्य-सिद्धांत , अरस्तू - अनुकरण-सिद्धांत, लोंजाइनस - उदात्त की अवधारणा ,
ज्योर्ज लुकाच की यथार्थवादी दृष्टि और साहित्य रूप।
ड्राईड्न के काव्य – सिद्धांत, वड्र्सवर्थ -काव्य-भाषा का सिद्धांत , हॉरेस का काव्य-चिंतन
कॉलरिज -कल्पना-सिद्धांत और ललित-कल्पना, मैथ्यू आर्नल्ड -आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य

इकाई-4 टी.एस.इलियट-परंपरा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत,वस्तुनिष्ठ समीकरण, संवेदनशीलता का असाहचर्य, आई.ए.रिचड्र्स - रागात्मक अर्थ, संवेगों का संतुलन, व्यावहारिक आलोचना।
एफ.आर.लीविस-एक आलोचक के रूप में और सैमुअल जॉनसन की साहित्यिक मान्यताएँ।

इकाई-5.(अ) सिद्धांत और वाद-शास्त्रवाद,नव्यशास्त्रवाद, स्वच्छंदतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद तथा अस्तित्ववाद का सामान्य परिचय व विशेषताएँ।

(ब) आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियाँ-संरचनावाद, शैली-विज्ञान, विखंडनवाद, उत्तर आधुनिकतावाद का सामान्य परिचय व विशेषताएँ।

अंक-विभाजन :

इकाई 1 से 4 से एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न (20×4=80 अंक)

Date: 06/05/2022

इकाई 5 (अ) और (ब) से एक-एक टिप्पणी का प्रश्न (10 x 2 = 20 अंक)

सहायक ग्रंथ :

१. रस-सिद्धांत-डॉ.नगेन्द्र (नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली)

२. रस-सिद्धांत की दार्शनिक और नैतिक व्याख्या-डॉ.तारकनाथ बाली (विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)

३. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका-डॉ.नगेन्द्र

४. अभिनव का रस विवेचन-नगीनदास पारेख

५. समीक्षा लोक-भगीरथ दीक्षित

६. भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा-डॉ.नगेन्द्र

७. साहित्य काव्य-विमर्श-डॉ.राममूर्ति त्रिपाठी (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)

८. भारतीय एवम् पाश्चात्य काव्य सिद्धांत-डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

९. हिन्दी आलोचना का विकास-नंदकिशोर नवल

१०. काव्य के तत्त्व-देवेन्द्रनाथ शर्मा (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

११. अरस्तू का काव्यशास्त्र-डॉ.नगेन्द्र

१२. काव्य में उदात्त-तत्व-डॉ.महेन्द्र चतुर्वेदी

१३. उदात्त के बारे में-डॉ.निर्मला जैन

१४. पाश्चात्य काव्य-शास्त्र की परंपरा-डॉ. नगेन्द्र

१५. पाश्चात्य काव्यशास्त्र-डॉ.भगीरथ मिश्र

१६. पाश्चात्य साहित्य-चिंतन-संपा.निर्मला जैन,कुसुम बाँठिया (राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)

१७. कार्ल मार्क्स-कला और साहित्य-चितन-संपा.डॉ.नामवर सिंह

१८. उत्तर आधुनिकता और उत्तर संरचनावाद-सुधीश पचौरी (हिमाचल प्रकाशन भंडार,दिल्ली)

१९. उत्तर आधुनिकता-कुछ विचार-संपा.देव शंकर नवीन तथा मिश्र (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)

२०. उत्तर आधुनिकःसाहित्यिक विमर्श-सुधीश पचौरी

****

प्रश्नपत्र - 3. प्रयोजनमूलक हिन्दी Core Course-03 (Total Marks –100)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1. कामकाजी हिन्दी एवम् पत्रकारिता:

रोजगार के क्षेत्र में प्रयोजनमूलक हिन्दी की संभावनाएँ।
पारिभाषिक शब्दावली- स्वरूप एवम् महत्व, पारिभाषिक शब्दावली- निर्माण के सिद्धांत।
पत्रकारिता- स्वरूप एवम् विभिन्न प्रकार।
सूचना प्रौद्योगिकी का स्वरूप।
अनुवाद - सिद्धांत एवम् व्यवहार:
अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवम् प्रविधि।
हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका।कार्यालयी हिन्दी और अनुवाद।

इकाई-2. हिन्दी कंप्यूटिंग:

कम्प्यूटर- परिचय, रूपरेखा, उपयोग तथा क्षेत्र। वेब पब्लिशिंग का परिचय।
इंटरनेट संपर्क उपकरणों का परिचय, प्रकार्यात्मक , रख-रखाव एवम् इंटरनेट समय मितव्ययिता के सूत्र,
इंटरनेट एक्सप्लोइट अथवा नेटस्केप , लिंक, ब्राउजिंग, ई-मेल भेजना-प्राप्त करना,
हिन्दी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, डाउनलोडिंग-अपलोडिंग, हिन्दी सॉफ्टवेयर पैकेज।

इकाई-3. समाचार-लेखन :

समाचार-अवधारणा,परिभाषा, बुनियादी तत्व, संरचना (घटक), समाचार का मूल्य।
संवाददाता की भूमिका, महत्त्व,श्रेणी, कार्य एवम् व्यवहार-संहिता।
रिपोर्टिंग के क्षेत्र और प्रकार।

Date: 06/05/2022

लीड- अर्थ,प्रकार, विशेषता,महत्त्व।
शीर्षक- अर्थ,प्रकार,लिखने की कला,महत्त्व।

इकाई–4. मीडिया लेखन:

जनसंचार- प्रौद्योगिकी एवम् चुनौतियाँ।
विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप-मुद्रण, दृश्य-श्रव्य, इंटरनेट।
साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपांतरण।
न्यू एवम् सोशल मीडिया :
न्यू मीडियाः अभिप्राय एवम् विविध रूप।
सोशल मीडियाः माध्यम का स्वरूप-एक अपरंपरागत मीडिया
सोशल मीडिया के प्रकार-ट्विटर, व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम
सोशल मीडिया का प्रभाव-सामाजिक, राजनीतिक,सांस्कृतिक, शैक्षिक।सोशल मीडिया की भाषा।

इकाई-5. व्यावहारिक -अनुवाद-अभ्यास :

व्यावहारिक -अनुवाद-गुजराती या अंग्रेजी से हिन्दी में।
कार्यालयी अनुवाद- कार्यालयी एवम् प्रशासनिक शब्दावली, प्रशासनिक प्रयुक्तियाँ, पदनाम, विभाग।
पदनामों, अनुभागों, दस्तावेजों, प्रतिवेदनों के अनुवाद, सारानुवाद।

अंक-विभाजन-

इकाई 1 से 4 से एक एक आलोचनात्मक प्रश्न (20×4=80 अंक)
इकाई 5 से व्यावहारिक अनुवाद का एक प्रश्न (10 x 1 = 10 अंक)
और एक कार्यालयी अनुवाद पर आधारित प्रश्न, जिसमें दस पारिभाषिक शब्दों के अनुवाद पूछने होंगे (10 x 1 = 10 अंक)

सहायक ग्रंथ :

१. प्रयोजनमूलक हिन्दी- कमल कुमार बोस (क्लासिकल पब्लिशिंग कम्पनी, दिल्ली)
२. हिन्दी पत्रकारिता-कृष्ण बिहारी मिश्र (भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली)
३. प्रयोजनमूलक हिन्दी और पत्रकारिता-डॉ.दिनेश प्रसाद सिंह (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
४. राजभाषा प्रशासनिक शब्दकोश-डॉ.एस.त्यागी (भारत भारती, दिल्ली)
५. प्रारूपण, टिप्पण और प्रूफ पठन-डॉ.भोलानाथ तिवारी (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
६. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग-विजयकुमार मल्होत्रा
७. संपादन कला एवम् प्रूफ पठन-डॉ.हरिमोहन
८. समाचार फीचर लेखन एवम् संपादन कला--डॉ.हरिमोहन
९. पत्रकारिताःविविध विधाएँ-डॉ.राजकुमारी रानी (जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
१०.रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता-डॉ.हरिमोहन
११.आधुनिक विज्ञापन और जन संपर्क-डॉ.तारेश भाटिया
१२.पत्रकारिता में अनुवाद की समस्याएँ-डॉ.भोलानाथ तिवारी
१३. प्रारूपण, टिप्पण और प्रूफ पठन-डॉ.भोलानाथ तिवारी (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
१४. अनुवाद-बोध-डॉ.गार्गी गुप्त
१५. मीडिया और साहित्य-सुधीश पचौरी
१६. अनुवाद-विज्ञान-डॉ.भोलानाथ तिवारी
१७. मीडिया-लेखन-डॉ.चंद्रप्रकाश मिश्र (संजय प्रकाशन, दिल्ली)
१८. रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता-डॉ.हरिमोहन
१९. आधुनिक विज्ञापन और जन संपर्क-डॉ.तारेश भाटिया
२०. सोशल नेटवर्किंगःकल और आज-राकेशकुमार (रीगी पब्लिकेशन)

****

Date: 06/05/2022

प्रश्नपत्र - 4. आधुनिक हिन्दी काव्य Core Course-04 (Total Marks –100)

पाठ्य-पुस्तकें :

1. प्रियप्रवास – अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
2. उर्वशी - रामधारीसिंह 'दिनकर'
3. संशय की एक रात – नरेश मेहता
4. युगधारा –नागार्जुन(यात्री प्रकाशन, दिल्ली)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई- 1. प्रियप्रवास – अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

'प्रियप्रवास' में व्यक्त विश्व कल्याण की कामना,

'प्रियप्रवास' का महाकाव्यत्व, 'प्रियप्रवास' - एक विरह काव्य के रूप में,

'प्रियप्रवास' के पात्र- कृष्ण और राधा,

'प्रियप्रवास' में अभिव्यक्त मनोवैज्ञानिकता, 'प्रियप्रवास' का भाव पक्ष और कला पक्ष।

इकाई-2. उर्वशी - रामधारीसिंह 'दिनकर'

'उर्वशी' के सांस्कृतिक आधार, युगीन आदर्श, दार्शनिकता,

'उर्वशी' की प्रबंधात्मकता, उर्वशी और पुरुरवा का चरित्र- चित्रण ।

'उर्वशी': प्रेम और सौन्दर्य का काव्य, 'उर्वशी' का भाव पक्ष और कला पक्ष।

इकाई-3. संशय की एक रात – नरेश मेहता

'संशय की एक रात' का काव्य-स्वरूप, 'संशय की एक रात' में व्यक्त आधुनिक मनुष्य की चिंता।

'संशय की एक रात' के राम, 'संशय की एक रात' का भाव-पक्ष और कला-पक्ष।

इकाई-4. युगधारा – नागार्जुन

'युगधारा' में अभिव्यक्त नागार्जुन की समाजवादी विचारधारा

'युगधारा' में चित्रित कृषक एवं श्रमिक वर्ग

'युगधारा' का भाव और कला-पक्ष।

इकाई-5. द्विवेदीयुगीन काव्य में अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' का स्थान

राष्ट्रवादी कविता और 'दिनकर',

प्रयोगवादी एवम् नई कविता : प्रवर्तक और विशेषताएँ,

स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी प्रबंध-काव्य, जनवादी काव्य, यथार्थवादी समकालीन काव्य।

अंक-विभाजनः

इकाई 1 से 4 से एक एक आलोचनात्मक प्रश्न (20×4=80 अंक)

इकाई 5 से दो टिप्पणी के प्रश्न (10 x 2 = 20 अंक)

सहायक ग्रंथ :

१. हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ. जयकिशन प्रसाद खंडेलवाल

२. हिन्दी साहित्य का इतिहास – रामचंद्र शुक्ल

३. छायावाद-डॉ.नामवर सिंह(राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)

Date: 06/05/2022

४. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास-डॉ.बच्चन सिंह (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
५. युग चारण दिनकर – सावित्री सिन्हा
६. दिनकर का काव्य –डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना
७. हिन्दी का गद्य-साहित्य-डॉ. रामचंद्र तिवारी
८. नरेश मेहता का काव्य-संवेदना और शिल्प- अमियचंद पटेल
९. नरेश मेहता का काव्य- विमर्श और मूल्यांकन- प्रभाकर शर्मा
१०. नरेश मेहता कविता की ऊर्ध्वयात्रा- रामकमल राय
११. नयी कविता के प्रबंध काव्या- शिल्प और जीवन दर्शन- डॉ उमाकान्त गुप्त
१२. श्री नरेश मेहता का काव्य-संवेदना, शिल्प एवं महनीयता- डॉ विजयलक्ष्मी मेहता-कन्सेप्ट पब्लिकेशन, नई दिल्ली
१३. साठोत्तरी हिन्दी कविता में जनवादी चेतना,- नरेन्द्रसिंह (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
१४. समकालीन हिन्दी कविता- तिवारी, विश्वनाथप्रसाद (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
१५. नागार्जुन का रचना संसार-विजय बहादुर सिंह (संभावना प्रकाशन)
१६. आधुनिक कविता का पुनर्पाठ-करुणासंकर उपाध्याय (राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली)

****

प्रश्नपत्र – 5. विशिष्ट युग प्रवृति अध्ययन : आदिकाल एवम् दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन

Core Course-05 (Total Marks –100)

पाठ्य-पुस्तकें : 1. सन्देश रासक - अब्दुल रहमान संपा.हजारी प्रसाद द्विवेदी-विश्वनाथ त्रिपाठी (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)

2. ढोला मारू रा दूहा – कुशल लाभ संपा.रामसिंह, सूर्यकिरण पारीक, नरोत्तम स्वामी (राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र :

इकाई-1. सन्देश रासक - अब्दुल रहमान :

कवि अब्दुल रहमान का परिचय , 'सन्देश रासक' : आदिकाल की एक प्रमुख रचना,
'सन्देश रासक' का कथानक, 'सन्देश रासक' में विरह-वर्णन, ऋतु-वर्णन,
'सन्देश रासक' का भाव-पक्ष और कला-पक्ष |

इकाई-2. ढोला मारू रा दूहा - कुशल लाभ

'ढोला मारू रा दूहा': एक श्रेष्ठ मुक्त काव्य, 'ढोला मारू रा दूहा' में श्रृंगार-चित्रण,
'ढोला मारू रा दूहा': सौंदर्य-चित्रण, ढोला और मालवणी का चरित्र-चित्रण,
'ढोला मारू रा दूहा': काव्य-सौष्ठव, 'ढोला मारू रा दूहा' में मारवणी का विरह-वर्णन ।

इकाई-3. अपभ्रंशः अर्थ और स्वरूप, साहित्यिक भाषा के रूप में अपभ्रंश का विकास,
अपभ्रंश काव्य-प्रबंधात्मक, मुक्तक, नीति, वीर और श्रृंगार काव्य-धाराएँ
आदिकाव्य की साहित्यिक प्रवृति-ऐतिहासिक,श्रृंगारिक एवम् लौकिक काव्य।
आदिकाव्य की शिल्प-गत विशेषताएँ-कथानक-शैलियाँ एवम् रूढियाँ,गेयता,
काव्य-रूप एवम् भाषा।

इकाई-4 माध्यमोपयोगी लेखन का स्वरूप और प्रमुख प्रकार, हिन्दी माध्यम लेखन का संक्षिप्त इतिहास,
हिन्दी के समक्ष आधुनिक जनसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी की चुनौतियाँ।
टी.वी. नाटक की तकनीक, संचार माध्यम के अन्य विविध रूप,
टेली ड्रामा, टेली फिल्म, डाक्यूड्रामा तथा टी.वी.धारावाहिक में साम्य-वैषम्य।
पटकथा का अर्थ और परिभाषा,पटकथा लेखन में प्रतिभा,कल्पना और अभ्यास का महत्त्व।

Date: 06/05/2022

इकाई-5. (अ) रेडियो नाटक की प्रविधि, रंगनाटक, पाठ्यनाटक और रेडियो नाटक में अंतर।
रेडियो नाटक के प्रमुख भेद-रेडियो धारावाहिक, रेडियो रूपांतर, रेडियो फैन्टेसी, संगीत रूपक, आलेख रूपक (डॉक्यूमेंट्री फीचर)।

(ब) इलैक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा प्रसारित समाचारों के संकलन-संपादन और प्रस्तुतीकरण की प्रविधि।
संचार माध्यमों द्वारा प्रसारित विज्ञापनों की भाषा, विज्ञापन फिल्मों की प्रविधि, संचार माध्यमों की भाषा।

अंक-विभाजन-

इकाई 1 से 4 से एक एक आलोचनात्मक प्रश्न (20×4=80 अंक)

इकाई 5 (अ) और (ब) से एक-एक टिप्पणी का प्रश्न (10 x 2 = 20 अंक)

सहायक ग्रंथ :

१. हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ - डॉ. जयकिशन प्रसाद खंडेलवाल
२. हिन्दी साहित्य का इतिहास - रामचंद्र शुक्ल
३. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास-डॉ.रामकुमार वर्मा (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
४. हिन्दी साहित्य का आदिकाल-डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी (वाणी प्रकाशन,इलाहाबाद)
५. हिन्दी का गद्य-साहित्य-डॉ. रामचंद्र तिवारी
६. हिन्दी गद्य का विकास-डॉ.प्रसाद
७. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास-डॉ.बच्चन सिंह
८. मीडिया-लेखन-डॉ.चंद्रप्रकाश मिश्र (संजय प्रकाशन, दिल्ली)
९. दूरदर्शन की भूमिका-सुधीश पचौरी
१०.जनसंचार-विविध आयाम-ब्रजमोहन गुप्त
११.मीडिया और साहित्य-सुधीश पचौरी
१२.रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता-डॉ. हरिमोहन
१३.भारतीय इलैक्ट्रॉनिक मीडिया-देवव्रत सिंह (प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली)
१४.मीडिया और बाजारवाद-रामशरण जोशी (राधाकृष्ण प्रकाशन)
१५.फीचर लेखनःस्वरूप और शिल्प-डॉ.मनोहर प्रभाकर(राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)
१६.समाचार संपादन-कमल दीक्षित, महेश दर्पण (राधाकृष्ण प्रकाशन)
१७.टेलीविज़न कार्यक्रम निर्माण प्रक्रिया-महाराज शाह (प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली)
१८.इलैक्ट्रॉनिक मीडिया-पी.के.आर्य (प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली)

****

Date: 06/05/2022